

May 19, 2016

Page No. 5

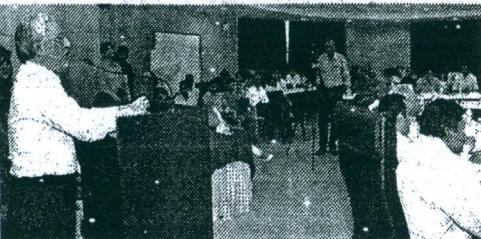
उद्योग विशेषज्ञ बनेंगे प्राध्यापक, दूर होगी तंगी-सहस्रबुद्धे

एआईसीटीई की स्टार्टअप पलिसी गुलाई तक संगत

आजमालाद @ पत्रिका

patrika.com/city

प्राध्यापकों की 30 फीसदी तंगी से उदाहरण कॉलेजों में प्राध्यापकों की जूँड़ रहे व्यावसायिक-तकनीकी कंपनी को तो दूर करना है ही साथ ही ज्यादा गुणवत्तायुक्त व प्रायोगिक विशेषज्ञ निजात दिलाएं। कॉलेज कूल प्राध्यापकों में से 20 फीसदी रोजगार पाने में भी मदद मिलेगी। प्राध्यापकों के पदों पर उद्यमी व इससे शिक्षण संस्थान और डोगों के उद्यम विशेषज्ञ को सहायक बीच समन्वय बढ़ागा, जिससे प्राध्यापक के रूप में नियुक्ति दे सकेंगे।



शिक्षा में बदलाव होगा और उद्यम पायलट प्रोजेक्ट के रूप में स्टार्टअप को जैसे इंजीनियर चाहिए वैसे पोलिसी लागू करने की दिशा में इंजीनियर, मैनेजर व फार्मसिस्ट मिलेंगे।

सहस्रबुद्धे ने बताया कि एआईसीटीई इसी शैक्षणिक वर्ष 2016-17 में जुलाई-अगस्त से

इसी पोलिसी पर चर्चा के लिए जीटीयू में बुधवार को एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें परिषद, विवि, कॉलेज, इन्डस्ट्रीटर, उद्यमी व कंपनियों के प्रतिनिधियों से सुशाव मांगे, चर्चा की गई।

जीटीयू भी बना रहा है इंडस्ट्री प्रोफेसर नीति

जीटीयू कुलपति डॉ. अश्व अग्रवाल ने बताया कि एआईसीटीई की ओर से हरी झंडी मिलने के बाद जीटीयू के कॉलेजों को राहत देने के लिए विवि उद्यमी जैमिन वसा की अध्यक्षता में इंडस्ट्री प्रोफेसर की एक

नीति बना रहा है। जिससे प्रोफेसरों की तंगी दूर होने के साथ गुणवत्तायुक्त शिक्षा बच्चों को प्रदान की जा सके।

'एक से सबा लाख सीटें होंगी कम'

एआईसीटीई अध्यक्ष अनिल सहस्रबुद्धे ने बताया कि इस वर्ष इंजीनियरिंग, फार्मसी, एम्बीए, एम्सीए, आर्किटेक्चर कोर्स की करीब एक से सबा लाख सीटें कम मिलेंगी। करीब दो सौ कॉलेजों में ताले लगें, जबकि इन्हीं नए कॉलेज के शुरू भी होंगे। अभी दस हजार से

अधिक कॉलेजों में करीब 18 लाख सीटें हैं। जिसमें से 11 लाख ही सीटें भरती हैं।

गुजरात में प्राध्यापक प्रशिक्षण संस्थान खोलेगी परिषद

एआईसीटीई अध्यक्ष अनिल सहस्रबुद्धे ने कहा कि बड़ोदरा में एम्सीए, आर्किटेक्चर कोर्स की करीब एक से सबा लाख सीटें कम होंगी। करीब दो सौ कॉलेजों में ताले लगें, जबकि इन्हीं नए कॉलेज के शुरू भी होंगे। अभी दस हजार से

विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान भी खोलेंगी। ताकि यहां पर तीन से छह महीने के प्रशिक्षण कोर्स शुरू किए जा सकें।

यहां पर नियुक्ति से पहले और फिर इन सर्विस इंजीनियरिंग, फार्मसी, मैनेजमेंट व अन्य तकनीकी व व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। एआईसीटीई के पूर्व अध्यक्ष रहे प्रो.एस.एस.मंथा ने बड़ोदरा के एमएसयू में इस क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित करने को लेकर काफी प्रयास किए थे।